Regarding restriction imposed by West Bengal on supply of potato to Jharkhand

श्री मनीष जायसवाल **(**हज़ारीबाग**) :** अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान झारखण्ड में वर्तमान में उत्पन्न एक अत्यंत गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ ।

अध्यक्ष जी, आलू गरीबों का खाना है । यह पौष्टिक संतुलन में बहुत मदद करता है । पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सरकार ने जो इंटर स्टेट ट्रेड होता है, एक राज्य से दूसरे राज्य में खाद्यान्न जाता है या अन्य जो प्रोडक्ट्स जाते हैं, उस कानून को धत्ता बताते हुए हजारों आलुओं से लदे ट्रक को बॉर्डर पर रोक दिया और उन लोगों ने जबरन उसको वापस भेजने का निर्णय लिया ।

अध्यक्ष महोदय, मैं फिर से दोहरा रहा हूँ कि आलू गरीबों का भोजन है और झारखण्ड में आलुओं की अत्यधिक कीमतों से गरीब बहुत परेशान हैं । मेरा आपसे आग्रह है कि इंटर स्टेट ट्रेड का कानून बना रहे और अगर उत्पादन कम है तो प्राइस का संतुलन पूरे देश में एक बराबर बना रहे । इसके लिए केन्द्र का हस्तक्षेप जरूरी हो गया है ।

मैं आपसे आग्रह करूंगा कि इस पर केन्द्र सरकार हस्तक्षेप करे और आलू के ट्रेड को बरकरार रखे ।

श्री कल्याण बनर्जी **(**श्रीरामपुर**) :** अध्यक्ष जी, आप तो बांग्लादेश का मुद्दा लेने वाले थे? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** उसे हम शून्य काल की लिस्ट पूरी होने के बाद में ले लेंगे ।

? (व्यवधान)

श्री कल्याण बनर्जी **:** आपने संभल घटना पर बोलने के बाद बांग्लादेश मुद्दे को लेने के लिए बोला था । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** हाँ, लिस्ट पूरी होने के बाद मैं आपको बोलने के लिए मौका दूंगा । वह विषय थोड़ा बहुत विवाद का हो गया था । अभी दो-तीन मैम्बर्स को बुलवाने के बाद मैं आपको मौका दे दूंगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं संजय उत्तमराव देशमुख जी को बोलने के बाद आपको मौका दे दूंगा ।

? (व्यवधान)